हिंदी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल
हिन्दी विश्वविद्यालय, पश्चिम बांग्ला
Hindi University, West Bengal

हि.वि.

हिंदी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

निम्नलिखित प्रस्तावित पाठ्यक्रम की संरचना 30/01/2021 को आयोजित हिंदी की पाठ्यक्रम समिति द्वारा अनुमोदित है। अनुमोदन प्राप्त प्रथम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम 2020-2021 सत्र से प्रस्तावित है।

सेमेस्टर पद्धति एवं स्वचयनाधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप हिंदी स्नातकोत्तर का पाठ्यक्रम :

क) कुल चार सेमेस्टर होंगे।

ख) प्रत्येक सेमेस्टर में पांच प्रश्नपत्र होंगे तथा सभी प्रश्नपत्र 50-50 अंक के होंगे। (लिखित 40 अंक, आंतरिक मूल्यांकन 10 अंक)

ग) प्रत्येक प्रश्नपत्र में 5 क्रेडिट हैं। (4 क्रेडिट कक्षाएं और 1 क्रेडिट ट्यूटोरियल)

घ) प्रत्येक सेमेस्टर में 25 क्रेडिट हैं, पूर्णांक 1000 है।

The following proposed syllabus structure is approved by the syllabus committee of Hindi held on 30/01/2021. The syllabus of Semester I is approved and introduced from 2020-'21.

Syllabus of PG (Hindi) in CBCS structure

a) There will be four semesters.
b) There will be five courses of fifty marks each. (Written 40, Internal assessment 10)
c) Each paper has 5 credits. (4 Credits class & 1 Credit Tutorial)
d) Each semester has 25 credits, Total Marks 1000.

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- I

प्रश्नपत्र का शीर्षक - हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)

1. हिंदी साहित्य : इतिहास लेखन
   i. साहित्य का इतिहास-दर्शन
   ii. हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, इतिहास-लेखन की विभिन्न पद्धतियाँ
   iii. साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ, काल विभाजन और नामकरण की समस्याएँ
2. आदिकालीन हिंदी साहित्य:
   i. आदिकाल की पूर्वापर समय-सीमा निर्धारण, नाम निर्धारण की समस्या एवं पृष्ठभूमि
   ii. सिद्ध, नाथ, जैन और रासो साहित्य का साहित्यिक अवदान
   iii. लौकिक साहित्य, गद्य साहित्य का सामान्य परिचय, आदिकालीन हिंदी साहित्य की आधार सामाग्री की प्रामाणिकता एवं काव्य भाषा
3. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकालीन हिंदी साहित्य)
   i. भक्ति-आंदोलन का उदय एवं अखिल भारतीय स्वरूप, भक्ति आंदोलन एवं लोकजागरण, भक्तिकाल की दार्शनिक पृष्ठभूमि
   ii. हिंदी निर्गुण काव्य परंपरा- संत और सूफी काव्य का स्वरूप एवं पृष्ठभूमि, वैचारिक एवं दार्शनिक आधार, प्रमुख कवि एवं उनका काव्य, कवियों का सामाजिक-सांस्कृतिक अवदान, काव्य-भाषा एवं प्रासंगिकता
   iii. हिंदी सगुण काव्य परंपरा- राम और कृष्ण काव्य का स्वरूप एवं पृष्ठभूमि, वैचारिक एवं दार्शनिक आधार, प्रमुख कवि एवं उनका काव्य, कवियों का सामाजिक-सांस्कृतिक अवदान, काव्य-भाषा एवं प्रासंगिकता
4. उत्तर मध्यकाल (रीतिकालीन हिंदी साहित्य)
   i. नामकरण की समस्या एवं पृष्ठभूमि
   ii. रीतिकालीन काव्य का स्वरूप एवं अभिव्यंजना शिल्प
   iii. सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में रीतिकाव्य का दर्शन, रीतिकाव्य और लोकजीवन, रीतिइतर साहित्य
5. आदिकाल से रीतिकाल : बदलती भाषा का स्वरूप, राज्याश्रयी, धर्माश्रयी, लोकाश्रयी साहित्य की अवधारणा

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. नलिन विलोचन शर्मा- साहित्य का इतिहास दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
2. शिवकुमार शर्मा – साहित्य का इतिहास दर्शन, द मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया, दिल्ली
3. सुमन राजे – साहित्येतिहास संरचना और स्वरूप, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
4. रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. श्यामसुंदर दास – हिंदी भाषा और साहित्य, इंडियन प्रेस, इलाहाबाद
6. हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
8. हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. रामकुमार वर्मा : हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. धीरेंद्र वर्मा - हिंदी साहित्य, भारतीय हिंदी परिषद, प्रयाग
11. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिंदी साहित्य का अतीत-भाग 1, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
12. नगेंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
13. रामविलास शर्मा- लोकजागरण और हिंदी साहित्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. गणपतिचंद्र गुप्त - हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
15. मैनेजर पाण्डेय- साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
16. रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
17. डॉ. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय- हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. प्रेमपाल शर्मा – हिंदी साहित्य का इतिहास, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद
19. नित्यानंद तिवारी – मध्यकालीन साहित्य पुनरावलोकन, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद
20. संतोष कुमार चतुर्वेदी – भक्तिकाल का आधुनिक संदर्भ, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद
21. आशा गुप्त – भक्ति सिद्धांत, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद
22. डॉ. कृष्ण कुमार सिंह – संत काव्य के विकास में वर्ण, जाति और वर्ग की भूमिका साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद
23. डॉ. आशा गुप्ता – सगुण निर्गुण: हिंदी साहित्य तुलनात्मक अध्ययन, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद
24. डॉ. आभा त्रिपाठी- भक्तिकाल : सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- II

प्रश्नपत्र का शीर्षक - हिंदी भाषा का विकास एवं देवनागरी लिपि

1. हिंदी भाषा का विकास : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
   i. भारोपीय भाषा परिवार, प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : वैदिक और लौकिक संस्कृत
   ii. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश
   iii. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण
2. हिंदी भाषा समुदाय

i. हिंदी शब्द का अर्थ और प्रयोग ,
ii. हिंदी भाषा समुदाय का वर्गीकरण
iii. भाषा समुदाय- I हिंदी की उपभाषाएँ – पूर्वी हिंदी, पश्चिमी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी एवं पहाड़ी भाषाएँ; पूर्वी और पश्चिमी हिंदी में अंतर
iv. हिंदी की बोलियाँ – परिचय और उनका भौगोलिक विस्तार
v. हिंदी की विभाषाएँ – हिन्दवी, दक्खिनी हिंदी, रेख्ता, उर्दू, हिंदुस्तानी

3. हिंदी के विविध रूप
   i. बोली, भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी
   ii. आधुनिक युग में हिंदी भाषा : विविधता एवं विस्तार
   iii. हिंदी की संवैधानिक स्थिति
   iv. हिंदी का वैश्विक स्वरूप
4. लिपि का उदय और विकास
   i. लिपि का विकास
   ii. भारतीय लिपि और देवनागरी लिपि
   iii. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं वर्तनी का मानकीकरण

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. भोलानाथ तिवारी - हिंदी भाषा का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भोलानाथ तिवारी - हिंदी भाषा, किताब महल, इलाहाबाद
3. भोलानाथ तिवारी – हिंदी भाषा की लिपि संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली
4. हरदेव बाहरी - हिंदी भाषा, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
5. उदय नारायण तिवारी - हिंदी भाषा उद्गम और विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. रविनंदन सिंह – भारतीय आर्य भाषा हिंदी, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद
7. कैलाश चंद्र भाटिया तथा मोतीलाल चतुर्वेदी - हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
8. रामविलास शर्मा – भारत की भाषा समस्या, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या - भारतीय आर्य भाषा और हिंदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. देवेन्द्रनाथ शर्मा - राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. कैलाशचंद्र भाटिया – हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
12. रामविलास शर्मा - ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. रामकिशोर शर्मा – भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा और लिपि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. राजभाषा हिन्दी, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
15. धीरेंद्र वर्मा (संपा) - हिंदी साहित्य कोश, ज्ञानमंडल, वाराणसी

16. हिंदी भाषा का स्वरूप, हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद
17. आर्य और द्रविड़ भाषा परिवारों का संबंध, हिंदुस्तान एकेडेमी, इलाहाबाद
18. कन्हैया सिंह – हिंदी भाषा साहित्य और नागरी लिपि, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
19. सत्यनारायण त्रिपाठी – हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
20. राजकिशोर सिंह - हिंदी भाषा का विकास और नागरी लिपि, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
21. देवनागरी विकास, परिवर्धन और मानकीकरण, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
22. देवनागरी लिपि तथा हिंदी का मानकीकरण, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
23. महावीर सरन जैन – देवनागरी लिपि एवं हिंदी की वर्तनी : क्षमताएँ, सीमाएं, वैज्ञानिकता एवं समस्याएँ (लेख), नागरी लिपि सम्मेलन स्मारिका 1977, नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली
24. बाबूराम सक्सेना - दक्खनी हिंदी, हिंदस्तान अकादेमी, इलाहाबाद
25. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव - हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
26. द्वारिका प्रसाद सक्सेना – भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
27. सरयूप्रसाद अग्रवाल, भाषाविज्ञान और हिन्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
28. बहुवचन अंक 46 (जुलाई-सितंबर 2015), हिंदी का विश्व, महात्मा गांधी हिंदी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा,
29. रविनंदन सिंह - हिंदी, उर्दू और खड़ी बोली, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- III

प्रश्नपत्र का शीर्षक - हिंदी कहानी साहित्य

- कहानी: कथा और आख्यान के विभिन्न रूप, कहानी अर्थ एवं स्वरूप, वस्तु और शिल्प, हिंदी कहानी की क्रमिक विकास यात्रा और परिवर्तित स्वरूप, नई कहानी, अन्य कहानी आंदोलन

1. प्रेमचंद : कफन
2. प्रसाद : पुरस्कार
3. जैनेन्द्र : पत्नी
4. फणीश्वर नाथ रेणु : तीसरी कसम
5. अज्ञेय : गैंग्रीन
6. निर्मल वर्मा : परिंदे
7. ज्ञानरंजन :पिता
8. शेखर जोशी : कोसी का घटवार
9. काशीनाथ सिंह : कविता की नई तारीख
10. उषा प्रियंवदा : वापसी
11. कृष्णा सोबती : सिक्का बादल गया
12. कमलेश्वर : राजा निरबंसिया

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 1x10=10

लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10

व्याख्या मूलक प्रश्न: 3 x5= 15

वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5

आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10

Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. नामवर सिंह – कहानी : नयी कहानी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. सुरेन्द्र चौधरी – हिंदी कहानी : पाठ और प्रक्रिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. देवीशंकर अवस्थी (संपा) - नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मधुरेश - हिंदी कहानी अस्मिता की तलाश, आधार प्रकाशन, पंचकुला
5. राजेंद्र यादव - कहानी : अनुभव और अभिव्यक्ति, वाणी प्रकाशन
6. कमलेश्वर - नयी कहानी की भूमिका, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली
7. परमानंद श्रीवास्तव – कहानी की रचना प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. मधुरेश – हिंदी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. विजयमोहन सिंह – आज की कहानी, राधाकृष्ण प्रकाशन,
10. इन्द्रनाथ मदान, हिंदी कहानी : पहचान और परख, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. सत्यकाम – नई कहानी नए सवाल, अनुपम प्रकाशन, पटना
12. गोपाल राय, हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. विश्वनाथ त्रिपाठी, कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. देवेंद्र शर्मा – समकालीन कहानी का समाजशास्त्र, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
15. रामदरश मिश्र – हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
16. नामवर सिंह – प्रेमचंद और भारतीय समाज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
17. डॉ. धनंजय - समकालीन कहानी : दिशा और दृष्टि, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
18. पुष्पपाल सिंह – समकालीन कहानी : रचना-मुद्रा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
19. अशोक वाजपेयी (संपा) – निर्मल वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
20. मार्कण्डेय – कहानी की बात, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
21. मार्कण्डेय – हिंदी कहानी : यथार्थवादी नजरिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
22. रामकमल राय – अज्ञेय : सृजन की समग्रता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- IV

प्रश्नपत्र का शीर्षक - हिंदी पत्रकारिता

1. हिंदी पत्रकारिता का उदय और विकास
   i. भारतीय पत्रकारिता का उदय और हिंदी पत्रकारिता का आरंभ
   ii. भारतीय नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य एवं प्रवृत्तियां

iii. स्वातंत्र्य-संघर्ष काल हिंदी पत्रकारिता

iv. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता

2. हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार
   i. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम : लेखन, साक्षात्कार, रिपोर्टिंग, संपादन
   ii. हिंदी पत्रकारिता की भाषा का क्रमिक विकास
   iii. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता : संक्षिप्त परिचय (भारतेन्दु-बालमुकुंद गुप्त युग 1867-1902 , द्विवेदी-प्रेमचंद युग 1900-1935 , प्रगतिवादी युग 1936-1950 , स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता 1947-1964 , लघु पत्रिका आंदोलन 1964-1974 , आपातकाल में पत्रकारिता 1975-1995 , भूमंडलीकरण और समकालीन दौर में पत्रकारिता 1995- अब तक), पत्रकारिता के माध्यम से साहित्य रचने वाले प्रमुख साहित्यकार
   iv. आंचलिक पत्रकारिता : अवधारणा , विविध स्वरूप, वर्तमान संदर्भ व चुनौतियाँ, हिंदी की प्रमुख आंचलिक पत्र-पत्रिकाएँ
3. हिंदी पत्रकारिता का विस्तार
   i. हिंदी भाषी राज्य में हिंदी पत्रकारिता
   ii. गैर हिंदी भाषी राज्य में हिंदी पत्रकारिता
   iii. वैश्विक प्रदेश में हिंदी पत्रकारिता
4. हिंदी पत्रकारिता के गौरव और उनका अवदान
   i. भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, बालमुकुंद गुप्त,
   ii. बाबूराव विष्णु पराड़कर, बालकृष्ण शर्मा नवीन, प्रेमचंद, अज्ञेय
   iii. माखनलाल चतुर्वेदी, गणेशशंकर विद्यार्थी, बनरसीदास चतुर्वेदी, प्रभाष जोशी

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. वेदप्रताप वैदिक - हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम , नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. कृष्णबिहारी मिश्र – हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
3. एस. के दुबे – पत्रकारिता के नए आयाम, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. वंशीधर कुटीर – भारतीय स्वतंत्रता और हिंदी पत्रकारिता, बिहार ग्रंथ कुटीर
5. रचना भोला 'यमिनी' – हिंदी पत्रकारिता उद्भव और विकास, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली
6. अर्जुन तिवारी – हिंदी पत्रकारिता का बृहत इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. धीरेन्द्रनाथ सिंह – हिंदी पत्रकारिता : भारतेन्दु-पूर्व से छायावादोत्तर काल तक, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. पृथ्वीनाथ पाण्डेय – पत्रकारिता प्रवेश और प्रवृत्तियाँ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. संतोष भारतीय – पत्रकारिता नए दौर, नए प्रतिमान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

10. तरुशिखा सुरजन – हिंदी पत्रकारिता का प्रतिनिधि संकलन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. विनोद गोदरे - हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. डॉ. हरिमोहन – समाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन कला, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
13. डॉ. धनंजय चोपड़ा – मानवाधिकार, मीडिया और जन-सरोकार, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद
14. धीरंजन मालवे – भारतीय मीडिया, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद
15. अमरेंद्र कुमार शर्मा- आपातकाल : हिंदी साहित्य और पत्रकारिता, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- V

प्रश्नपत्र का शीर्षक - मध्यकालीन काव्य

1. कबीरदास :- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी , पद संख्या- 160 – 179
2. मलिक मुहम्मद जायसी :- जायसी ग्रंथावली- आचार्य रामचंद्र शुक्ल (संपा), नागमती वियोग खंड (पद्मावत)
3. तुलसीदास :- रामचरितमानस (गीता प्रेस), उत्तरकांड
4. सूरदास :- भ्रमरगीतसार, संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, पद संख्या: 21-40
5. मीरां:- मीरा का काव्य, संपादक: विश्वनाथ त्रिपाठी, पद संख्या: प्रारम्भ से 20 पद

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 1x10=10
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
व्याख्या मूलक प्रश्न: 3 x5= 15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. हजारीप्रसाद द्विवेदी – कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. विजयेन्द्र स्नातक (संपा) - कबीर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पुरुषोत्तम अग्रवाल – अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. निज़ामुद्दीन अंसारी - सूफी कवि जायसी का प्रेम निरूपण, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी
5. वियदेव नारायण शाही – जायसी, हिंदुस्तान अकादेमी, इलाहाबाद
6. शिव सहाय पाठक - मल्लिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
7. डॉ. गोविंद त्रिगुणायत – जायसी का पद्मावत : काव्य और दर्शन, साहित्य निकेतन प्रकाशन, कानपुर
8. परमानंद श्रीवास्तव – जायसी का मूल्यांकन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – त्रिवेणी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – गोस्वामी तुलसीदास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
11. रामनरेश त्रिपाठी – तुलसीदास और उनका काव्य, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली

12. विश्वनाथ त्रिपाठी – लोकवादी तुलसीदास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
13. रामजी तिवारी – भारतीय साहित्य के निर्माता : गोस्वामी तुलसीदास, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
14. नंदकिशोर नवल - तुलसीदास , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. हजारीप्रसाद द्विवेदी - सूर साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. किशोरीलाल - सूरदास और भ्रमरगीत सार, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
17. नन्ददुलारे वाजपेयी - महाकवि सूरदास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
18. मैनेजर पांडे - सूर संचयिता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
19. ब्रजेश्वर वर्मा - सूरदास, जीवन और काव्य का अध्ययन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
20. आचार्य नंददुलारे वाजपेयी – सूर और तुलसी, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद
21. शिवकुमार मिश्र - भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
22. मैनेजर पांडे - भक्ति आंदोलन और सूर का काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
23. नंदकिशोर नवल – सूरदास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
24. विश्वनाथ त्रिपाठी – मीरा का काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
25. डॉ. लालबहादुर सिंह चौहान - भक्तिमती मीराबाई : जीवन और काव्य, आत्माराम एंड संस प्रकाशन, दिल्ली
26. पल्लव (संपा) – मीरा : लोकतांत्रिक अध्ययन, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहाबाद
27. डॉ. कल्पना शुक्ल – हिय निर्गुण नयनहिं सगुण, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद
28. डॉ. आशा श्रीवास्तव – भारतीय दर्शन में धर्म का स्वरुप : एक अध्ययन, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- VI

प्रश्नपत्र का शीर्षक - हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

1. आधुनिक काल : पूर्वपीठिका
    i. आधुनिकता की अवधारणा सांस्कृतिक चेतना और नवजागरण, ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली हिंदी, गद्य का विकास, फोर्ट विलियम कॉलेज
2. पुनर्जागरण, नवजागरण और स्वच्छंदतावाद
    i. सांस्कृतिक पुनर्जागरण के पुरोधा भारतेंदु और उनका मंडल, साहित्यिक पत्रकारिता का उद्भव और विकास,
    ii. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, नवजागरण के संदर्भ में सरस्वती पत्रिका का अवदान विविध विषय पर अनुदित साहित्य और अन्य गद्य विधाएं
3. छायावादी युग
    i. पृष्ठभूमि, नामकरण, छायावाद के कवि और उनका काव्य, छायावादी युग की अन्य कविताएं
4. छायावादोत्तर युग और स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य
    i. प्रगतिवाद
    ii. प्रयोगवाद
    iii. नई कविता
    iv. साठोत्तरी कविता आंदोलन

v. समकालीन कविता

5. हिंदी गद्य का विकास
   i. उपन्यास का उद्भव एवं विकास
   ii. कहानी का उद्भव एवं विकास
   iii. नाटक का उद्भव एवं विकास
   iv. आलोचना का विकास का उद्भव एवं विकास

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
4. हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. रामविलास शर्मा - भारतेंदु हरिश्चंद्र और आधुनिक काल
6. रामविलास शर्मा - महावीरप्रसाद द्विवेदी
7. नगेंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
8. गणपतिचंद्र गुप्त - हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-2, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. डॉ. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय- हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. प्रेमपाल शर्मा – हिंदी साहित्य का इतिहास, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहबाद
12. बच्चन सिंह - हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
13. मुरलीमनोहर प्रसाद सिंह - 1857 का इतिहास और संस्कृति
14. डॉ नागेंद्र एवं डॉ हरदयाल) संपादक (- हिंदी साहित्य का इतिहास
15. रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
16. नामवर सिंह - छायावाद
17. प्रो .सूर्यप्रसाद दीक्षित - छायावाद : सौ साल
18. डॉ. रामचन्द्र तिवारी - हिंदी का गद्य साहित्य
19. गोपाल राय - हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
20. गोपाल राय - हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
21. डॉ. दशरथ ओझा - हिंदी नाटक का उद्भव और विकास
22. डॉ विनीता यादव और वीणा शर्मा : हिंदी गद्य का उद्भव और विकास
23. मधुरेश : हिंदी कहानी का विकास
24. मधुरेश : हिंदी उपन्यास का विकास
25. विश्वनाथ त्रिपाठी : हिंदी आलोचना

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- VII

प्रश्नपत्र का शीर्षक -आधुनिक हिंदी कविता

- नवजागरण से साठोत्तरी कविता : सामान्य परिचय

1. प्रसाद : कामायनी – श्रद्धा सर्ग, आनंद सर्ग
2. निराला : राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति
3. सुमित्रानंदन पंत : परिवर्तन
4. महादेवी वर्मा : बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी, मैं नीर भरी दुख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो
5. नागार्जुन : कालिदास, सिंदूर तिलकित भाल, शासन की बंदूक, बादल को घिरते देखा है, मनुष्य हूँ,
6. अज्ञेय : कलगी बाजरे की, हरी घास पर क्षण भर, यह दीप अकेला, असाध्य वीणा, कितनी नावों में कितनी बार
7. मुक्तिबोध: अंधेरे में
8. धूमिल : नकसलबाड़ी, मुनासिब करवाई, पटकथा

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 1x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
व्याख्या मूलक प्रश्न: 3 x5= 15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1.
2. मुक्तिबोध : कामायनी : एक पुनर्विचार
3. नगेंद्र: कामायनी : पुनर्मूल्यांकन
4. रामविलास शर्मा : निराला की साहित्य साधना
5. भोलाभाई पटेल : अज्ञेय : एक अध्ययन
6. अजय तिवारी : नागार्जुन का काव्य
7. अशोक चक्रधर : मुक्तिबोध की काव्य-प्रक्रिया
8. हुकुमचंद राजपाल : समकालीन बोध और धूमिल का काव्य
9. प्रेमशंकर : प्रसाद का काव्य
10. विद्या सिन्हा : नई कविता : निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध
11. गोविंद प्रसाद : त्रिलोचन के बारे में

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- VIII

प्रश्नपत्र का शीर्षक -हिंदी उपन्यास साहित्य

- उपन्यास : अर्थ, स्वरूप, वस्तु और शिल्प, हिंदी उपन्यास की क्रमिक विकास यात्रा और परिवर्तित स्वरूप

1. प्रेमचंद : गोदान
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी : बाणभट्ट की आत्मकथा
3. फणीश्वर नाथ रेणु : मैला आँचल
4. निर्मल वर्मा- लाल टीन की छत

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x1=24
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 6x1=6
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- IX

प्रश्नपत्र का शीर्षक -भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा संरचना

1. भाषा और भाषाविज्ञान
   i. भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषाओं का वर्गीकरण तथा उनके आधार और आकृतिमूलक वर्गीकरण, भाषा की परिवर्तनशीलता
   ii. भाषा विज्ञान स्वरूप और व्याप्ति, अंग, भाषा विज्ञान की उपयोगिता
   iii. भाषा विज्ञान की शाखाएँ : वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, तुलनात्मक भाषाविज्ञान
2. ध्वनि विज्ञान :
   i. हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण,
   ii. स्वनिम की परिभाषा, स्वन-स्वनिम-संस्वन, स्वनिम निर्धारण की विधि, स्वनिम के भेद, हिंदी की स्वनिम व्यवस्था,
   iii. ध्वनि विज्ञान और स्वनिम विज्ञान, हिंदी की स्वनिमिक समस्याएँ- अ लोप की समस्या, उत्क्षिप्त ध्वनियाँ, नासिक्य ध्वनियों की समस्या, महाप्राण ध्वनियों की समस्या
   iv. ध्वनि परिवर्तन : कारण तथा दिशाएँ
3. रूप विज्ञान :
   i. रूप विज्ञान स्वरूप एवं विषयवस्तु
   ii. पद और शब्द, पद और संबंध तत्त्व, पदबंध और वाक्य
   iii. रूप परिवर्तन की दिशाएँ और रूप परिवर्तन के कारण
4. वाक्य विज्ञान :
   i. वाक्य विज्ञान का स्वरूप, पद और वाक्य
   ii. वाक्य की परिभाषा , वाक्य के अनिवार्य तत्त्व
   iii. वाक्य और पदक्रम, वाक्यों के प्रकार, उपवाक्य और उसके प्रकार
5. अर्थ विज्ञान :
   i. अर्थ का लक्षण, शब्द और अर्थ का संबंध
   ii. अर्थबोध (संकेत गृह) के साधन, अर्थबोध(संकेत ग्रह) के बाधक तत्त्व, एकार्थक शब्दों का अर्थ निर्णय, नानार्थक शब्दों का अर्थ निर्णय
   iii. अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ तथा कारण, अर्थिम और रूपिम में संबंध

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. लेनर्ड ब्लूमफील्ड : भाषा (अनुदित)
2. उदयनारायण तिवारी : भाषाशास्त्र की रूपरेखा
3. उदयनारायण तिवारी : हिंदी भाषा का उद्गम और विकास
4. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान
5. देवेंद्रनाथ शर्मा : भाषा विज्ञान की भूमिका
6. हरदेव बाहरी : हिंदी भाषा : उद्भव और विकास
7. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव : अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड OECHD -X.I

प्रश्नपत्र का शीर्षक– सृजनात्मक लेखन

1. सृजनात्मक लेखन के सामान्य नियम
   i. सृजनात्मक लेखन : अर्थ, क्षेत्र और महत्त्व
   ii. रचना-प्रक्रिया
   iii. रचना का उद्देश्य : स्वरूप की प्राप्ति
   iv. विषयवस्तु का निर्धारण
2. सृजनात्मकता के सामाजिक-दार्शनिक आधार
   i. लेखक की सामाजिक पृष्ठभूमि और दार्शनिक विचार
   ii. लेखन के सामाजिक सरोकार
   iii. सृजनात्मकता में राजनीतिक विचारों का महत्त्व
   iv. लेखकीय मनोविज्ञान
3. फीचर लेखन
   i. फीचर लेखन : परिचय, अर्थ, स्वरूप एवं महत्त्व
   ii. संचार माध्यम और विभिन्न विषयों पर फीचर लेखन
   iii. रिपोर्ताज: अर्थ एवं स्वरूप
   iv. रेडियो लेखन, वार्ता लेखन, पटकथा लेखन, कविता लेखन
4. हिंदी सृजनात्मक लेखन में नवाचार
   i. समकालीन पॉपुलर साहित्य : परिचय एवं प्रकार
   ii. लप्रेक एवं यूनी कवि : परिचय एवं वैशिष्ट्य
   iii. गैर कथात्मक लेखन एवं नवाचार
   iv. सृजनात्मक लेखन से सम्बन्धित प्रमुख ब्लॉगस: परिचय एवं वैशिष्ट्य

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न: 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. रचनात्मक लेखन, रमेश गौतम (संपा)
2. रचनात्मक लेखन, हरीश अरोड़ा, अनिल कुमार सिंह
3. पटकथा कैसे लिखें, राजेंद्र पाण्डे
4. पटकथा लेखन: एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. रचना की प्रक्रिया, स्तानस्लावस्क, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. सृजनात्मक लेखन, राजेंद्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
7. कहानी का रंगमंच, महेश आनंद (संपा)
8. टेलीविज़न लेखन, असगर वजाहत और प्रभात रंजन
9. वर्तमान संदर्भ में हिंदी, मुकेश अग्रवाल
10. संचार भाषा हिंदी, सूर्यप्रसाद दीक्षित

वैकल्पिक पाठ्यक्रम
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र कोड OECHD -X.II
प्रश्नपत्र का शीर्षक - अनुवाद सिद्धांत

1. अनुवाद की अवधारणा, आयाम और महत्व

i. अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप, अनुवाद की अवधारणा और आयाम) धार्मिक, ज्ञानात्मक, तकनीकी, वैज्ञानिक, व्यापार, विज्ञापन, संचार माध्यम, न्यायालय, सांस्कृतिक संबंध(
ii. अनुवाद की प्रकृति) कला, विज्ञान, शिल्प और पुनर्सृजन(और क्षेत्र
iii. भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अनुवाद का महत्त्व

2. प्राचीन एवं आधुनिक पाश्चात्य अनुवाद सिद्धांत

i. अनुवाद के प्राचीन पाश्चात्य सिद्धांत) 15 वीं से19 वीं शताब्दी(
ii. अनुवाद के आधुनिक पाश्चात्य सिद्धांत : आधुनिक पाश्चात्य सिद्धांत के विभिन्न स्कूल) प्राग स्कूल, लंदन स्कूल, यूनाइटेड स्टेट्स स्कूल, स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन(, प्रमुख विचारक) पीयर्स, न्यूमार्क, एंड्रे लेफेवेयर(
iii. अनुवाद के प्रमुख आधुनिक पाश्चात्य सिद्धांत) संरचनापरक सिद्धांत, अर्थपरक सिद्धांत, समतुल्यता का सिद्धांत, सापेक्षतावाद का सिद्धांत, व्याख्या का सिद्धांत, सांस्कृतिक संदर्भों के एकीकरण का सिद्धांत, पुनर्कोडीकरण का

सिद्धांत(

3. प्राचीन एवं आधुनिक भारतीय अनुवाद सिद्धांत

i. प्राचीन भारतीय अनुवाद सिद्धांत
ii. आधुनिक भारतीय अनुवाद सिद्धांत (ए.के .रामानुजन का अनुवाद सिद्धांत, सुजीत मुखर्जी का अनुवाद सिद्धांत, गायत्री चक्रवर्ती का अनुवाद सिद्धांत, हरीश त्रिवेदी का अनुवाद सिद्धांत, तेजस्विनी निरंजना का अनुवाद सिद्धांत)
iii. अनुवाद के प्रमुख भारतीय सिद्धांत (अर्थ सम्प्रेषण का सिद्धांत, व्याख्या का सिद्धांत, समतुल्यता का सिद्धांत)

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न: 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. जयंती प्रसाद नौटियाल – अनुवाद : सिद्धान्त और व्यवहार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कृष्णकुमार गोस्वामी – अनुवाद विज्ञान की भूमिका ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली
3. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्णकुमार गोस्वामी – अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ ,आलेख प्रकाशन ,दिल्ली
4. एन.ई .विश्वनाथ अय्यर – अनुवाद कला ,प्रभात प्रकाशन ,नई दिल्ली
5. कैलाशचंद्र भाटिया – अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग ,तक्षशिला प्रकाशन ,नई दिल्ली
6. रीता रानी पालीवाल – अनुवाद प्रक्रिया ,साहित्य निधि ,दिल्ली
7. भोलानाथ तिवारी – अनुवाद विज्ञान ,शब्दकार प्रकाशन ,दिल्ली
8. नगेन्द्र) संपा (– अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और व्यवहार ,हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय,दिल्ली विश्वविद्यालय ,दिल्ली
9. पूरनचंद टंडन , हरीश कुमार सेठी – अनुवाद के विविध आयाम ,तक्षशिला प्रकाशन ,नई दिल्ली
10. प्रो .जो .गोपीनाथन – अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग ,लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद
11. श्रीनारायण समीर – अनुवाद : अवधारणा एवं विमर्श, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. रीतारानी पालीवाल – अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य ,वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली
13. कृष्ण कुमार गोस्वामी ,अन्नपूर्णा और प्रजापति ,अनुवाद की नई परंपरा और आयाम ,प्रकाशन संस्थान ,नई दिल्ली
14. नीता गुप्ता एवं पूरनचंद टंडन – अनुवाद शतक, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली
15. आनंद प्रकाश खेमाणी एवं प्रकाश वेद) संपा(, अनुवाद कला : कुछ विचार ,एस .चांद एंड कंपनी ,दिल्ली
16. भोलानाथ तिवारी एवं राजमल बोरा – अनुवाद क्या है ?, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. सूरजभान सिंह, अंग्रेजी-हिंदी अनुवाद व्याकरण, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
18. J.C. Catford – A Linguistic Theory of Translation, Oxford University Press, London
19. E.A. Nida – Language structure & Translation, Stanford University Press
20. Peter New Mark – Text Book of Translation, Prentice Hall,
21. W. Brishlin, Richard (Ed.) – Translation : Application & Research, Gardner Press, New York
22. Roger T. Bell – Translation & Translating, Oxford University Press, London
23. Peter New Mark – Approaches to Translation Programme, Oxford Peragamon Press, London
24. E.A. Nida and E.J. Taber, The Theory & Practice of Translation, Leiden, Brill
25. Mona Baker(Ed.), Routledge Encyclopedia of Translation Studies, Routledge, London
26. Susan Basseentett – Translation Studies, Routledge, New York
27. J. Levy – The Art of Translation, Prague

28. J. Derride – Difference in Translation, Ithaca
29. Adword Sepir – Language & Personality, Los Angles
30. Alessandra Priceardi (Ed.) – Translation Studies, Perspectives on an Emerging Discipline, Cambridge University Press
31. R. Gargesh and K.K. Goswami(Ed.) – Translation & Interpreting Orient Longman, New Delhi
32. Avadesh K. Singh (Ed.) – Translation : Its Theory and Practice Creative Books, New Delhi
33. M. Jaya Kumar and K. Karunakaraa – Translator as Synthesis : A Search for a New Getsalt, Bahri Publications, New Delhi

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- XI

प्रश्नपत्र का शीर्षक -भारतीय काव्यशास्त्र

1. काव्य का स्वरूप : काव्य लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के भेद
2. प्रमुख संप्रदाय और सिद्धान्त :
   i. रस सिद्धान्त : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, रस के अवयव, रस-निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा, रसाभास एवं भावाभास
   ii. अलंकार सिद्धान्त : अलंकारों का वर्गीकरण, मूल स्थापनाएँ और मूल्यांकन
   iii. रीति सिद्धान्त : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, रीति के भेद या प्रकार
   iv. वक्रोक्ति सिद्धांत : अर्थ, अवधारणा, परिभाषा, स्वरूप एवं भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनवाद
   v. ध्वनि सिद्धान्त : अर्थ लक्षण एवं स्वरूप, ध्वनि-काव्य के भेद,
   vi. औचित्य सिद्धान्त : अर्थ लक्षण एवं स्वरूप, औचित्य के भेद
3. काव्य की आत्मा

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. रामचंद्र शुक्ल : रस-मीमांसा
2. नगेंद्र : रस सिद्धांत
3. नगेंद्र : भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका
4. भगीरथ मिश्र : भारतीय काव्यशास्त्र
5. सत्यदेव चौधरी : भारतीय काव्यशास्त्र
6. बलदेव उपाध्याय : भारतीय काव्यशास्त्र

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- XII

प्रश्नपत्र का शीर्षक -विविध विमर्श और हिंदी साहित्य

1. विमर्शों की सैद्धांतिकी : विमर्श : संकल्पना एवं स्वरूप ((भारतीय एवं पाश्चात्य)
   i. स्त्री-विमर्श : अर्थ, परिभाषा, लिंग, जेंडर, पितृसत्ता की उत्पत्ति एवं विचारधारा, नारिवाद के प्रकार, महिला आंदोलन पाश्चात्य एवं भारतीय, नारी सशक्तिकरण, समकालीन हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्शमूलक साहित्य लेखन
   ii. दलित विमर्श : दलित साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, वैचारिकता, दलित साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता, दलित साहित्य की मान्यताएँ, दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, समकालीन हिंदी साहित्य में दलित विमर्शमूलक साहित्य लेखन
   iii. आदिवासी विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप, जल,जंगल जमीन और अस्मिता का सवाल, आदिवासी चेतना, मौखिक और लिखित साहित्य परंपरा, आदिवासी दर्शन और वैचारिकता, सांस्कृतिक विशिष्टताएँ, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, आदिवासी भाषाएँ और बोलियाँ, समकालीन हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्शमूलक साहित्य लेखन
2. काव्य :
   i. स्त्रियाँ- अनामिका
   ii. सात भाइयों के बीच चम्पा- कात्यायनी
   iii. सुनो ब्राह्मण- मलखन सिंह
   iv. तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती ? – कंवल भारती
   v. कथन शालवन के अंतिम शाल का – राम दयाल मुंडा
   vi. कलम को तीर होने दो- ग्रेस कुजूर
3. कहानी :
   i. अन्नपूर्णा मण्डल की आखिरी चिट्ठी- सुधा अरोड़ा
   ii. अम्मा- ओमप्रकाश वाल्मीकी
   iii. मैना- रोज केरकेट्टा
4. आत्मकथा :
   i. मुर्दहिया- तुलसीराम

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 1x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
व्याख्या मूलक प्रश्न: 3 x5= 15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. डॉ. अर्जुन चव्हाण : विमर्श के विभिन्न आयाम
2. प्रो. प्रदीप श्रीधर : हिंदी के समकालीन विमर्श
3. डॉ. नीता श्री.दौलतकर: 21 वीं सदी के साहित्यिक विमर्श
4. मंजु रुस्तोगी: अनामिका का काव्य

5. राजेंद्र यादव : अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य
6. राजेंद्र यादव : आदमी की निगाह में औरत
7. स्त्री के लिए जगह: संपादक: राजकिशोर
8. डॉ. के.एम.मालती स्त्री विमर्श: भारतीय परिप्रेक्ष्य
9. दीप्ति प्रियामहरोत्रा : भारतीय महिला आन्दोलन : कलआज और कल
10. रमणिका गुप्ता : स्त्रीमुक्ति: संघर्ष और इतिहास
11. समकालीन हिंदी साहित्य में नारी संवेदना : संपादक: दयानंद सालुंके
12. डॉ. रश्मि चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य में दलित चेतना : अवधारण और स्वरूप
13. दया पवार : दलित चिंतन
14. हिंदी दलित आत्मकथाएं : एकमूल्यांकन: पुनीताजैन
15. दलित साहित्य चिंतन (इतिहास और बोध दृष्टि): नामदेव और नीलम
16. ओम प्रकाश बाल्मीकि:दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र
17. आदिवासी साहित्य विमर्श : संपादक: डॉ. मोहन चव्हाण
18. हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श : संपादक: डॉ. हर्षलता साह
19. आदिवासी अस्मिता की पड़ताल करते साक्षात्कार : डॉ. रमणिका गुप्ता
20. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी: डॉ. रमणिका गुप्ता
21. आदिवासी भाषा और शिक्षा: संपादक: डॉ. रमणिका गुप्ता
22. गंगा प्रसाद मीना : आदिवासी साहित्य विमर्श : चुनौतियाँ और संभावनाएं
23. आदिवासीविकास से विस्थापन : संपादक: डॉ. रमणिका गुप्ता
24. आदिवासी साहित्य और संस्कृति : संपादक: विशाला शर्मा और दत्ता कोल्हारे
25. आदिवासी साहित्य विमर्श: संपादक: वी कृष्ण एवं भीम सिंह

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- XIII

प्रश्नपत्र का शीर्षक -हिंदी नाटक और रंगमंच

1. नाटक
   - i. नाटक का स्वरूप, नाटक के तत्त्व, नाटक के प्रकार
   - ii. नाटक के उद्भव एवं विकास : भारतेन्दु-पूर्व युग, भारतेन्दु उग, संक्रांति युग, अनूदित नाटक, प्रसादयुगीन नाटक, प्रसादोत्तर नाटक, समकालीन नाटककार, महिला नाटककर
   - iii. हिंदी के प्रमुख नाट्य और रंग व्यक्तित्व, भारतेंदु और प्रसाद की रंग-दृष्टि
   - iv. एकांकी नाटक का स्वरूप और क्रमिक विकास
   - v. गीतिनाट्य : स्वरूप, सम्प्रेषण की तीव्रता, नुक्कड़ नाटक
2. रंगमंच : एक प्रदर्शनकारी कला
   - i. रंगमंच की परिकल्पना, व्याख्या, प्रकृति तथा स्वरूप : परिचयात्मक पाठ, हिंदी रंगमंच का सामान्य परिचय, भारतीय रंगमंच और हिंदी रंगमंच
   - ii. पारसी रंगमंच बनाम हिंदी रंगमंच, व्यवसायिक रंगमंच प्रदर्शन की विविध इकाइयां : मंचन, प्रदर्शन, प्रस्तुति आदि
   - iii. हिंदी रंगमंच के विकास में हिंदीतर प्रान्तों की देन नाट्य-लेखन की समीक्षा

iv. हिंदी नाटक और रंगमंच पर पाश्चात्य प्रभाव, भारत के नाट्यशास्त्र में वर्णित अभिनय

3. पाठ्य:
   i. भारतेन्दु हरिश्चंद्र : अंधेर नगरी
   ii. जयशंकर प्रसाद : चन्द्रगुप्त
   iii. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन
   iv. शंकर शेष : एक और द्रोणाचार्य

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 1x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 2x5=10
व्याख्या मूलक प्रश्न: 3 x5= 15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. गोविंद चातक : भारतीय नाटक का अग्रदूत : मोहन राकेश
2. सत्येंद्र कुमार तनेजा : नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना
3. कृष्णानंद तिवारी : नाटककार मोहन राकेश
4. नरेंद्र मोहन : समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच
5. गिरीश रस्तोगी : बीसवीं शताब्दी में हिंदी नाटक और रंगमंच
6. गोविंद चातक : नाटक की साहित्यिक संरचना
7. गोविंद चातक : नाट्य भाषा
8. जयदेव तनेजा : आज के हिंदी रंग नाटक
9. जयदेव तनेजा : समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच
10. जयदेव तनेजा : हिंदी नाटक : आजकल

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- XIV

प्रश्नपत्र का शीर्षक -हिंदी कथेतर साहित्य

1. निबंध
   i. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि भाग 1 से- श्रद्धा और भक्ति, लोभ और प्रीति, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था, कविता क्या है ?
   ii. हजारीप्रसाद द्ववेदी : अशोक के फूल पुस्तक से- अशोक के फूल, प्रायश्चित की घड़ी, घर जोड़ने की माया, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है।
   iii. विद्यानिवास मिश्र : मेरे राम का मुकुट भींग रहा है
2. विविध गद्य रूप :
   i. आत्मकथा : हरिवंश राय बच्चन- क्या भूलूँ क्या याद करूँ खंड-1
   ii. जीवनी साहित्य : विष्णु प्रभाकर - आवारा मसीहा

iii. यात्रा साहित्य : निर्मल वर्मा - चीड़ों पर चाँदनी पुस्तक से– ब्रेख्त और एक उदास नगर, सफ़ेद रातें और हवा, पेरिस : एक स्टिल लाइफ, चीड़ों पर चाँदनी

iv. संस्मरण : महादेवी वर्मा- पथ के साथी पुस्तक से – सुभद्राकुमारी चौहान, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

v. व्यंग्य विधा : हरीशंकर परसाई- पगडंडियों का जमाना पुस्तक से – पगडंडियों का जमाना, बेचारा भला आदमी, दो छोटी इच्छाएँ, डेंगू, अध्यात्म और लेखक।

vi. डायरी : मुक्तिबोध - एक साहित्यिक की डायरी पुस्तक से – एक लंबी कविता का अंत, डबरे पर सूरज का बिम्ब, हाशिए पर कुछ नोट्स

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. कैलाशचंद्र भाटिया, रचना भाटिया : साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ
2. डॉ. रामचंद्र तिवारी – हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. हिंदी का कथेतर गद्य परंपरा और प्रयोग प्रधान संपादक : दयानिधि मिश्र
4. कैलाश चन्द्र भाटिया : हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ
5. अरुण प्रकश : गद्य की पहचान
6. ओमनिश्चल: समकालीन हिंदी कविता ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
7. पंकज चतुर्वेदी : आत्मकथा की संस्कृति
8. आधुनिककालीन हिंदी गद्य साहित्य : मेहता यशोधरा एस और चौहाण महारूद्रप्रताप सिंह वी.

तृतीय सेमेस्टर

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र कोड OECHD- XV.I

प्रश्नपत्र का शीर्षक -तुलनात्मक भारतीय साहित्य

1. तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा और आवश्यकता
2. विश्व साहित्य और भारतीय साहित्य की अवधारणा
3. भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य का इतिहास, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता, भारतीयता का समाजशास्त्र
4. पाठ्य:

i.	नाटक:	मराठी : खामोश ! अदालत जारी है – विजय तेंडुलकर
		कन्नड़ : तुगलक – गिरीश कार्नाड
ii.	कहानी :	बांग्ला : काबुलीवाला - रवीन्द्रनाथ टैगोर
		उर्दू : टोबा टेक सिंह - सआदत हसन मंटो
iii.	निबंध:	बांग्ला : साहित्य विचार - रवींद्रनाथ ठाकुर
iv.	उपन्यास :	बांग्ला : गणदेवता - ताराशंकर बंद्योपाध्याय
		ओड़िया : महामोह – प्रतिभा राय

v. कविता : बांग्ला : विद्रोही - नजरूल
पंजाबी : मेरी बुलबुल – पाश
तमिल : रे विदेशियों ! भेद न हममें – सुब्रह्मण्यम भारती

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. इंद्रनाथचौधरी: तुलनात्मक साहित्य की भूमिका
2. हनुमान प्रसाद शुक्ल- तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य
3. इंद्रनाथचौधरी : तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष्य
4. तुलनात्मक अध्ययन भारतीय भाषाएँ और साहित्य: संपादक: भ. ह. राजूकरएवं राजकमल बोरा
5. राजकमल बोरा : तुलनात्मक अध्ययनस्वरूपएवं समस्याएं
6. भारतीय साहित्य: संपादक:डॉ. मूलचंन्द गौतम
7. जगदीशयादव: भारतीय साहित्य अवधारणा, समन्वय एवं सादृश्य
8. इंद्रनाथ चौधरी- हिंदी तथा बांग्ला काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन

अथवा

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड OECHD -XV.II

प्रश्नपत्र का शीर्षक– हिंदी भाषा और भाषा शिक्षण

1. भाषा और भाषा-शिक्षण
   i. भाषा : अवधारणा और स्वरूप
   ii. भाषा-शिक्षण की अवधारणा
   iii. पाठ्यक्रम की प्रकृति, निर्धारण और उसका विकास
   iv. भाषा मूल्यांकन और परीक्षण
2. भाषा-शिक्षण: प्रविधि और अधिगम
   i. भाषा-शिक्षण विधियाँ
   ii. उत्तर संरचना विधियाँ
   iii. भाषा शिक्षण में कंप्यूटर और मल्टीमीडिया का अनुप्रयोग
   iv. ऑनलाइन भाषा-शिक्षण
3. हिंदी भाषा-शिक्षण (मातृभाषा और अन्य भाषा के संदर्भ में)
   i. वाचन और लेखन
   ii. हिंदी श्रवण और भाषा-क्षमता का विकास
   iii. शब्दावली और व्याकरण
   iv. साहित्य शिक्षण

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न: 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. भाषा-शिक्षण सिद्धान्त और प्रविधि, मनोरमा गुप्ता, केंद्रीय हिंदी संस्थान
2. भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान, ब्रजेश्वर वर्मा (संपा)
3. भाषा-शिक्षण, लक्ष्मीनारायण शर्मा
4. भाषा-शिक्षण, रवींद्रनाथ श्रीवास्तव,
5. कम्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी शिक्षण का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, बीना शर्मा, गिरीश्वर मिश्र (संपा), नयी किताब , दिल्ली
7. हिंदी शिक्षण, जयनारायण कौशिक, हरियाणा साहित्य अकादेमी, पंचकूला
8. हिंदी भाषा-शिक्षण, भोलानाथ तिवारी

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- XVI

प्रश्नपत्र का शीर्षक -पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1. प्रमुख विचारक -1
   i. प्लेटो का काव्य सिद्धान्त
   ii. अरस्तू : अनुकरण, त्रासदी और विरेचन सिद्धान्त
   iii. वड्र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धान्त
   iv. कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी सिद्धान्त
2. प्रमुख विचारक – 2
   i. मैथ्यु आर्नल्ड : आलोचना सिद्धान्त
   ii. बेनेदेतो क्रोचे : अभिव्यंजना सिद्धान्त
   iii. टी.एस. इलिएट : निर्वैयक्तिकता, परंपरा और व्यक्तिगत प्रज्ञा, वस्तुनिष्ठ सह-संबंध
   iv. आई.ए.रिचड्र्स : मूल्य, सम्प्रेषण एवं काव्य भाषा का सिद्धान्त
3. सिद्धान्त और वाद : स्वच्छंदतावाद, मार्कस्वाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, रूपवाद, संरचनवाद, आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतवाद, विखंडनवाद

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. देवेंद्रनाथ शर्मा : पाश्चात्य काव्यशास्त्र
2. निर्मला जैन एवं कुसुम बंठिया : पाश्चात्य साहित्य चिंतन
3. तारकनाथ बाली : पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास
4. शांतिस्वरूप गुप्त : पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत
5. मक्खनलाल शर्मा : पाश्चात्य काव्यशास्त्र : मार्क्सवादी परंपरा

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- XVII

प्रश्नपत्र का शीर्षक -हिंदी आलोचना

1. हिंदी आलोचना : स्वरूप एवं विकास
2. हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियाँ : काव्यशास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, मार्क्सवादी, मनोविश्लेषणवादी, व्यक्तिवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, प्रभाववादी, समाजशास्त्रीय, संरचनावादी, शैलीवैज्ञानिक, तुलनात्मक
3. शुक्ल-पूर्व आलोचना(भारतेंदु, महावीरप्रसाद, मिश्रबंधु)
4. प्रमुख आलोचकों की आलोचनात्मक मान्यताओं का विस्तृत अध्ययन :
   i. रामचंद्र शुक्ल
   ii. भारतीय मूल्यवादी आलोचना(हजारीप्रसाद, नंददुलारे, नगेंद्र,)
   iii. मार्क्सवादी आलोचना(रामविलास, मुक्तिबोध, नामवर सिंह)
   iv. मनोविश्लेषणवादी आलोचना(देवराज उपाध्याय, अज्ञेय)
   v. आठवें दशक के रचनाकार आलोचक(निर्मल वर्मा, विजयदेव नारायण साही, अशोक वाजपेयी)

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. नंदकिशोर नवल, हिंदी आलोचना का विकास
2. विश्वनाथ त्रिपाठी, हिंदी आलोचना
3. रामचंद्र तिवारी, हिंदी आलोचना : शिखरों से साक्षात्कार
4. मधुरेश, हिंदी आलोचना का विकास
5. रामविलास शर्मा : रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना
6. नामवर सिंह : इतिहास और आलोचना
7. नंदकिशोर नवल : हिंदी आलोचना का विकास
8. चंद्रबली सिंह : आलोचना का जनपक्ष
9. भारत यायावर : आलोचना के रचनापुरुष नामवर सिंह
10. मधुरेश : हिंदी आलोचना का विकास
11. निर्मला जैन : हिंदी आलोचना
12. दामोदर मिश्र : हिंदी आलोचना में अनुपस्थित

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- XVIII

प्रश्नपत्र का शीर्षक -प्रयोजनमूलक हिंदी

1. सामान्य हिंदी, साहित्ययिक हिंदी तथा प्रयोजनमूलक हिंदी
    i. हिंदी के विविध रूप
    ii. हिंदी के प्रकार्य : राजभाषा के रूप में , राष्ट्रभाषा के रूप में
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : भाषिक स्वरूप एवं प्रयुक्तियाँ
    i. प्रयोजनमूलक हिंदी : तात्पर्य एवं विषयक्षेत्र
    ii. प्रयोजनमूलक हिंदी की विभिन प्रयुक्तियाँ और उनका व्यवहार क्षेत्र
    iii. प्रयोजनमूलक हिंदी वाक्य संरचना की विशेषताएँ : कार्यालयी हिंदी की वाक्य संरचना, व्यापार, वाणिज्य एवं बैंकिंग हिंदी की वाक्य संरचना, वैज्ञानिक हिंदी की वाक्य संरचना, जनसंचार हिंदी की वाक्य संरचना
    iv. प्रशासनिक भाषा के रूप में खड़ी बोली का विकास
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : पारिभाषिक शब्दावली
    i. पारिभाषिक शब्दावली : तात्पर्य, लक्षण एवं विशेषताएँ
    ii. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण एवं विकास की आवश्यकता, निर्माण के सिद्धान्त
    iii. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया
5. संविधान में हिंदी और राजभाषा अधिनियम
    i. राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास
    ii. संविधान में हिंदी
    iii. राजभाषा अधिनियम 1963, 1967,
    iv. राजभाषा अधिनियम 1976
    v. राजभाषा आयोग तथा राजभाषा समितियां
5. कार्यालयी हिंदी की भाषिक प्रकृति
    i. कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, कार्यालयी हिंदी का प्रयोग क्षेत्र
    ii. कार्यालयी हिंदी और अनुवाद, हिंदी की प्रशासनिक शब्दावली और अभिव्यक्ति
    iii. प्रशासनिक पत्राचार के विविध रूप
    v. कार्यालयी हिंदी : मसौदा एवं टिप्पणी लेखन, बैठकें एवं प्रतिवेदन लेखन
    vi. वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी भाषा रूप : प्रयुक्ति, शब्दावली, पर्याय, शब्द निर्माण तथा शब्द निर्धारण और प्रयोग , वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन, विधि / न्याय के क्षेत्र में हिंदी
6. जनसंचार माध्यम और हिंदी
    i. जनसंचार के विविध रूप : भाषिक प्रकृति
    ii. समाचार लेखन और हिंदी
    iii. विज्ञापन लेखन और हिंदी
    iv. फिल्म समीक्षा में हिंदी

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5

आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. विनोद गोदरे : प्रयोजनमूलक हिंदी
2. दंगल झाल्टे : प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग
3. कैलाशनाथ पाण्डेय : प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका
4. अर्चना श्रीवास्तव : प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम
5. रवीन्द्र श्रीवास्तव : प्रयोजनमूलक हिंदी
6. रमेश तरुण : प्रयोजनमूलक हिंदी
7. निशांत जैन : राजभाषा के रूप में हिंदी
8. कैलाश चंद भाटिया : हिंदी भाषा विकास और स्वरूप
9. डॉ कैलास नाथ पाण्डेय : कार्यालयीय हिंदी
10. कैलाश चंद भाटिया : हिंदी विकास और संभावनाएं
11. मनीला कुमारी : वर्तमान परिदृश्य में हिंदी
12. नए जन-संचार माध्यम और हिंदी : संपादक: सुधीर पचौरी और अर्चना शर्मा

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- XIX

प्रश्नपत्र का शीर्षक -जनसंचार, मीडिया और जनसम्पर्क

1. मीडिया एवं जनसंचार
2. प्रेस, रेडियो, टेलीविजन एवं सिनेमा माध्यम तथा हिंदी पत्रकारिता
3. नव जनमध्यम और हिंदी पत्रकारिता : वेब- पत्रकारिता, हिंदी ई पत्र-पत्रिकाएँ, हिंदी ई-पोर्टल, हिंदी वेबसाइट्स, हिंदी विकिपीडिया
4. सूचनाधिकार, मानवाधिकार, प्रेस कानून, आचार संहिता
5. जनसंचार एवं मीडिया के विभिन्न क्षेत्र एवं उनका सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव
6. रिपोर्टिंग : स्वरूप, प्रकार, विविध क्षेत्र
7. सम्पादन : सम्पादन के सिद्धान्त एवं विविध पहलू, संपादकीय लेखन
8. विज्ञापन: परिभाषा, स्वरूप, महत्व, विभिन्न प्रकार, क्षेत्र एवं भाषागत विशेषताएँ
9. जनसम्पर्क : सिद्धांत एवं व्यवहार : अवधारणा, तत्त्व सिद्धान्त एवं विभिन्न आयाम
10. सोशल एवं वेब मिडिया, ब्लॉग लेखन, फेसबुक और ट्विटर, सोश्ल मीडिया का प्रभाव
11. मुक्त प्रेस की अवधारणा

अंक विभाजन : आलोचनात्मक प्रश्न : 2x10=20
लघूत्तरी प्रश्न : 3x5=15
वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 5x1=5
आभ्यंतरीन मूल्यांकन : 10
Credit class 4, Credit tutorial 1, Total 5

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. डॉ. अर्जुन तिवारी, आधुनिक पत्रकारिता

2. कृष्ण बिहारी मिश्र : हिंदी पत्रकारिता
3. सुशील जोशी : हिंदी पत्रकारिता : विकास और विविध आयाम
4. विनोद गोदरे : हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ
5. हरिमोहन : समाचार, फीचर-लेखन एवं संपादन-कला
6. जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी: हिंदी पत्रकारिता का इतिहास
7. डॉ. अर्जुन तिवारी, सम्पूर्ण पत्रकारिता
8. शालिनी जोशी : मीडिया कानूनऔर आचार संहिता
9. डॉ वेद प्रताप वैदिक: हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम
10. पवित्र श्रीवास्तव और सी.के सरदाना : जनसंपर्क के विविध आयाम
11. कुमुद शर्मा : विज्ञापन की दुनिया
12. डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित : जनसंचार प्रकृति और परंपरा
13. डॉ रेखा सेठी : विज्ञापन की भाषा और संरचना

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड PGHD- XX

प्रश्नपत्र का शीर्षक -परियोजना कार्य

परियोजना कार्य के अंतर्गत "रचनाकार का विशेष अध्ययन" पाठ्यचर्या का समावेश किया गया है जिसमें हिंदी के 20 विशिष्ट रचनाकार निर्धारित किए गए हैं | विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वह हिंदी के उन रचनाकारों का विशेष अध्ययन करे जिन्होंने चिंतन और सर्जन के क्षेत्र में अपना विशिष्ट योगदान किया है | प्रस्तुत परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी द्वारा निर्दिष्ट रचनाकारों में से किसी एक रचनाकार के समग्र कृतित्व का सघन अध्ययन करना एवं उसका सम्यक मूल्यांकन करते हुए न्यूनतम 10,000 शब्दों में परियोजना कार्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है |

1. भारतेन्दु हरिश्चंद्र	2. बालकृष्ण भट्ट	3. माखनलाल चतुर्वेदी
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी	5. मैथिलीशरण गुप्त	6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
7. हजारी प्रसाद द्विवेदी	8. राहुल सांकृत्यायन	9. रामधारी सिंह दिनकर
10. यशपाल	11. अज्ञेय	12. अमृतलाल नागर
13 नामवर सिंह	14. निर्मल वर्मा	15. राही मासूम रजा
16. भीष्म साहनी	17. केदारनाथ सिंह	18. काशीनाथ सिंह
19. अमृता प्रीतम	20. कृष्णा सोबती	